मध्य प्रदेश में मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश में मौसम विभाग ने **15 ज़िलों के लिये चेतावनी** जारी की है। पिछले कुछ दिनों में राज्य के विभिन्न इलाकों में तूफान, बारिश और ओलावृष्टि हुई है।

मुख्य बिंदु:

- पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवाती परिसंचरण और ट्रफ लाइन के कारण प्रदेश में एक मज़बूत सिस्टम सक्रिय है। आने वाले दिनों में दो पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता और बढ़ सकती है। इसके चलते बारिश और ओलावृष्टि की आशंका है।
  - मौसम विभाग ने लोगों के लिये **एडवाइज़री भी जारी की** गई है।

पश्चिमी विक्षोभ

- ये चक्रवाती **तूफानों की एक शृंखला** है जो **भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न** होते हैं और **उत्तर पश्चिम भारत में सर्दियों के दौरान बारिश** के लिये 9,000 किमी. से अधिक के क्षेत्र कवर करते हैं।
  - पश्चिमी विक्षोभ भूमध्य सागर, काला सागर और कैस्पियन सागर से आर्द्रता एकत्र कर पश्चिमी **हिमालय से टकराने से पूर्व ईरान तथा अफगानिस्तान से होकर गुज़रता** है।
- पश्चिमी विक्षोभ **हिमपात का प्राथमिक स्रोत** है जो सर्दियों के दौरान **हिमालय के ग्लेशियरों की पूर्ति** करता है।
- ये ग्लेशियर **गंगा, सिंधु और यमुना** जैसी प्रमुख हिमालयी नदियों के साथ-साथ असंख्य पहाड़ी झरनों तथा नदों के जल के मुख्य स्रोत हैं।

मानसून गर्त/ट्रफ

- ट्रफ एक **बड़े क्षेत्र तक विस्तृत निम्न दाब की पेटी** है। यह ट्रफ मानसून काल के दौरान होती है, इसलिये इसे **मानसून ट्रफ** के नाम से जाना जाता है।
- मॉनसून ट्रफ **इंटर ट्रॉपिकल कन्वर्जेंस ज़ोन (ITCZ) का एक हिस्सा** है जहाँ उत्तरी गोलार्द्ध और दक्षिणी गोलार्द्ध की हवाएँ मिलती हैं।
- इसे आम तौर पर **मानसून के कम दाब वाले क्षेत्रों के स्थान को जोड़ने वाली रेखा** के रूप में दर्शाया जाता है। ये ट्रफ चरम मानसून अवधि के दौरान महाद्वीपों में चलते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/meteorological-department-issues-warning-in-madhya-pradesh